

U.G. 3rd Semester Examination - 2021

HINDI

[HONOURS]

Course Code : HINH-CC-T-5

Full Marks : 60

Time : 2½ Hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×10=20

- 'पृथ्वीराज रासो' किसकी रचना है?
- 'जानकी मंगल' और 'पार्वती मंगल' किसकी कृति है?
- 'बीजक' का सम्पादन सर्वप्रथम किसने किया?
- 'तुलसी काव्य मीमांसा' और 'त्रिवेणी' किसकी आलोचनात्मक कृतियाँ हैं?
- “कोटिक ए कलधौत के धाम करील की कुंजन” —ये पंक्ति किस कृष्णभक्त कवि की है?
- “दृश अरुझत दूटत कुटुम जुरत चतुर चित प्रीति!” में कौन-सा अलंकार है?

- “अविगत गति कछु कहत आवै” —पंक्ति में भक्ति का कौन-सा रूप परिलक्षित होता है?
- “नेह-निधान सुजान समीप तौ सींचत ही हियरा सिचराई।” में शृंगार का कौन-सा पक्ष व्यंजित है?
- “अलव्य कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय एवं कबीर” —पुस्तक के लेखकों के नाम लिखिए।
- जायसी कृत 'पद्मावत' में कुल कितने खंड हैं?
- 'ब्रजभाषा' में रचित तुलसीदास की किसी एक रचना का नाम लिखिए।
- 'जप माला, छापा तिलक' किसकी पंक्ति है?
- निर्गुण भक्ति काव्य को 'संत काव्य' नाम किसने दिया?
- जायसी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।
- 'कबीरदास' किसकी शिष्य परंपरा में आते हैं?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

5×2=10

- दीन भए जल मीन अधीन, कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर-सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै॥
प्रीति की रीति सु क्यों समझै जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै।
था मन की जु दसा, घनआनंद जीव की जीवनि जान ही जावै॥
- जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे।
काको नाम पतित-पावन जग, केहि अति दीन पियारे॥
कौने देव बराइ बिरद-हित, हठि हठि अधम उधारे।

खग, मृग, व्याध, पषान, बिटप जड़, जवन कवन सुर तारे॥
देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज सब, माया-बिबस बिचारे।
तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे॥

iii) चढ़ा असाड़, गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा॥
धूम, साम, धीरे धन धाए। सेत धजा बग-पाँति देखाए॥
खडग-बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद-बान बरसहिं घन घोरा॥
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत! उबारू मदन हौं घेरी॥
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : $5 \times 2 = 10$

- i) नागमती की विरह-वेदना
- ii) 'मीराबाई'
- iii) 'तुलसीदास' की दास्य भक्ति

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 2 = 20$

- i) “कबीर की कविता सामंती मूख्यों को चुनौती देती है”—इस कथन की विवेचना कीजिए।
- ii) घनानंद की प्रेमानुभूति की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
- iii) बिहारी के काव्य में भक्ति नीति एवं श्रृंगार-वर्णन को स्पष्ट कीजिए।